अध्याय - 4 वन्य-समाज और उपनिवेशवाद

स्मरणीय तथ्य

- पृथ्वी का फेफड़ा कहे जाने वाले वन हमारे लिये बहुत उपयोगी हैं।
- वनों के लुप्त होने को वन विनाश कहते हैं ।
- औपनिवेशिक काल में वनों को काटने की प्रक्रिया व्यापक तथा व्यवस्थित हो गई ।
- उन्नीसवीं सदी में यूरोप में बढ़ती शहरी आबादी का पेट भरने के लिये बड़े पैमाने पर जंगल साफ कर खेत बनाये गये ।
- उन्नीसवीं सदी के शुरुआत में औपनिवेशिक सरकार ने जंगलों को अनुत्पादक समझा ।
- उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक इंग्लैण्ड में बलूत (ओक) के जंगल अत्यधिक कटाई की वजह से लुप्त होने लगे थे।
- 1850 के दशक में रेल लाईनों के प्रसार के लिये बड़े पैमाने पर वनों को काटा गया ।
- चाय, कॉफी और रबड़ के बागान बनाने के लिये यूरोप में प्राकृतिक वनों का भारी हिस्सा साफ किया गया ।
- बाद में अंग्रेजों को इस बात की चिंता हो गई कि स्थानीय लोगों द्वारा जंगलों का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जंगल नष्ट हो जाएँगे।
- इसलिए उन्होंने डायट्रिच ब्रैंडिस नामक जर्मन विशेषज्ञ को देश का पहला वन महानिदेशक नियुक्त किया ।
- ब्रैंडिस ने 1864 ई. में भारतीय वन सेवा की स्थापना की और 1865 ई. के भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबद्ध करने में सहयोग दिया ।
- इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में जिस पद्धति की शिक्षा दी जाती थी उसे 'वैज्ञानिक वानिकी' कहा जाता था ।
- आज के पारिस्थितिकी विशेषज्ञों का मानना है कि वैज्ञानिक वानिकी सही नहीं था ।
- वैज्ञानिक वानिकी के नाम पर विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया और इनकी जगह पर सीधी पंक्ति में एक ही किस्म के पेड़ लगा दिए गए । इसे बागान कहा जाता है ।
- 1865 ई. में वन अधिनियम के लागू होने के बाद इसमें दो बार संशोधन किए गए - पहला 1878 ई. में और दूसरा 1927 ई. मे।
- एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका के अनेक भागों में झूम या घूमंतू खेती की प्रथा प्रचलित थी ।
- दक्षिण-पूर्वी एशिया में घुमंतू कृषि को लादिंग, मध्य अमेरिका में मिलपा, अफ्रीका में चित्रमेन या तावी व श्रीलंका में चेना कहा जाता है ।
- हिंदुस्तान में घुमंतू खेती के लिये धया, पेंदा बेवर, नेवड़, झूम, पौडू, खंदाद और कुमरी आदि नामों से जाना जाता है ।
- सरकार ने घुमंतू खेती पर रोक लगाने का फैसला किया।
- वन कानूनों के पहले जंगलों में या उनके आसपास रहने वाले बहुत सारे लोग शिकार करके जीवनयापन करते थे। अब यह पारंपरिक प्रथा गैर कानूनी हो गया ।
- एक तरफ वन कानूनों ने लोगों को शिकार के परंपरागत अधिकार छीन लिये गये वहीं बड़े जानवरों का आखेट एक खेल बन गया ।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान शिकार का चलन इस पैमाने तक बढ़ा कि कई जंगली प्रजातियाँ लगभग पूरी तरह लुप्त हो गईं ।
- अंग्रेजों का मानना था कि खतरनाक जानवरों को मारकर वे हिंदुस्तान को सभ्य बनाएँगे ।
- काफी समय बाद पर्यावरणवादियों ने आवाज उठाई कि जंगली जानवरों की हत्या नहीं की जानी चाहिए ।
- मध्यकाल से ही आदिवासी समुदाय द्वारा वन उत्पादों का व्यापार होता था किंतु अंग्रेजों ने व्यापारिक कंपनियों को वन-उत्पादों के व्यापार की इजारेदारी सौंप दी ।
- हिंदुस्तान और दुनिया भर में वन्य समुदायों ने अपने ऊपर थोपे गये बदलावों के खिलाफ बगावत की ।
- औपनिवेशिक सरकार ने 1905 ई. में जब जंगल के दो-तिहाई हिस्से को आरक्षित करने, घुमंतू खेती को रोकने और शिकार व वन्य-उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी लगाने का प्रस्ताव रखा तो बस्तर के लोग बहुत परेशान हो गए।
- 1910 ई. में गुंडा धूर के नेतृत्व में बस्तर इलाके में आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया।
- अंग्रेजों को बस्तर विद्रोह पर काबू पाने में तीन महीने लग गये।
- इंडोनेशिया एक डच उपनिवेश था।
- इंडोनेशिया का एक मुख्य द्वीप जावा में कलांग समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और घुमंतू किसान थे।
- वन-कानून के खिलाफ कलांग समुदाय 1770 ई. में एक डच किले पर हमला कर प्रतिरोध किया।
- इंडोनेशिया में 1890 ई. के आसपास, सुरोन्तिको सामिन ने जंगलों पर राजकीय मालिकाने पर सवाल खड़ा करना प्रारंभ कर दिया।
- सुरोन्तिको सामिन का मानना था कि चूँकि हवा, पानी जमीन और लकड़ी राज्य की बनाई हुई नहीं हैं इसलिए उन पर उसका अधिकार नहीं हो सकता।
- भारत में वन विभाग ने अंग्रेजों की जंगी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेतहाशा पेड़ काटे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. चॉकलेट में इस्तेमाल होने वाला तेल किस पौधे के बीजों से निकलता है?

a. साल b. शीशम
c. महुआ d. नीम

2. वनों के लुप्त होने को सामान्यतः क्या कहते हैं?

a. वनोन्मुलन b. वन-विनाश
c. वन-ह्रास d. इनमें से कोई नहीं।।

3. सन् 1600 ई. में हिन्दुस्तान के कुल भू-भाग के लगभग कितने हिस्सों पर खेती होती थी?

a. 1/2 b. 1/4
c. 1/6 d. 1/8

4. आज भारत के लगभग कितने भागों में कृषि होती है?

a. 1/2 b. 1/4
c. 1/6 d. 1/8

5. उन्नीसवीं शताब्दी के शुरूआत तक इंग्लैण्ड में किसके जंगल लुप्त होने लगे थे?

a. साल b. शीशम
c. बलूत (ओक) d. नीम

6. भारत में रेल लाइनों का प्रचार किस दशक में प्रारम्भ हुआ?

a. 1840 ई. b. 1850 ई.
c. 1870 ई. d. 1880 ई.

7. मद्रास प्रेसीडेन्सी में 1850 ई. के दशक में प्रतिवर्ष लगभग कितने पेड़ स्लीपरों के लिये काटे जाते थे?

a. 30000 b. 40000
c. 50000 d. 35000

8. एक मील लंबी रेल की पटरी बनाने के लिए कितने स्लीपरों आवश्यकता पड़ती थी ?

a. 1000-1500 b. 1500-1700
c. 1760-2000 d. 2000-2500

9. औपनिवेशिक दौर में किसका इस्तेमाल भारी भरकम लकड़ी को उठाने के लिए किया जाता था?

a. मनुष्यों का। b. घोड़ों का।
c. ऊँटों का। d. हाथियों का।

10. नॉर्दर्न स्टेट रेलवे कहाँ से कहाँ तक थी?

a. लाहौर से सुक्कूर b. लाहौर से मुल्तान
c. मुल्तान से सुक्कूर d. लाहौर से अमृतसर

11. मुल्तान से सुक्कूर के बीच कौन-सी रेलवे लाईन का निर्माण हुआ था?

a. इंडस वैली रेलवे b. नॉर्दन स्टेट रेलवे
c. उत्तर रेलवे d. उत्तर-पश्चिम रेलवे

12. भारत का पहला वन महानिदेशक कौन था?

a. चन्द्र प्रकाश गोयल b. डायट्रिच ब्रैंडिस
c. लॉर्ड मैकाले d. वारेन हेस्टिंग्स

13. भारतीय वन सेवा की स्थापना कब हुई?

a. 1860 ई. b. 1862 ई.
c. 1864 ई. d. 1865 ई.

14. 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट' की स्थापना कहाँ हुई थी?

a. हरिद्वार b. शिमला
c. देहरादून d. नैनीताल

15. 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट' की स्थापना कब हुई थी?

a. 1906 ई. b. 1908 ई.
c. 1910 ई. d. 1912 ई.

16. भारतीय वन अधिनियम कब आया?

a. 1860 ई. b. 1862 ई.
c. 1864 ई. d. 1865 ई.

17. 1865 ई. में वन अधिनियम के लागू होने के बाद अभी तक कितने संशोधन किये जा चुकें हैं?

a. एक b. दो
c. तीन d. चार

18. 1878 ई. में वन अधिनियम संशोधन के अनुसार जंगल को कितने श्रेणियों में बाँटा गया था?

a. एक b. दो
c. तीन d. चार

19. 1865 ई. के वन अधिनियम में दूसरी बार संशोधन कब हुआ?

a. 1878 ई. b. 1927 ई.
c. 1937 ई. d. 1945 ई.

20. सबसे अच्छे जंगल को क्या कहा जाता था?

a. आरक्षित b. सुरक्षित
c. ग्रामीण d. इनमें से कोई नहीं।।

21. महुआ के किस भाग को खाया जाता है और जिसका इस्तेमाल शराब बनाने के लिए भी किया जाता है?

a. जड़ b. पत्ती
c. फूल d. बीज

22. महुआ के किस भाग से तेल बनाया जाता है?

a. जड़ b. पत्ती
c. फूल d. बीज

23. छतरी तथा टोकरी बनाने के लिए कौन-से पोधे का इस्तेमाल किया जाता है?

a. नीम b. बाँस
c. साल d. महुआ

24. किसका खोल का प्रयोग पानी की बोतल के रूप में किया जा सकता है?

a. कुम्हड़े b. तरबूज
c. नारियल d. इनमें से कोई नहीं। ।

25. महुए के तेल का इस्तेमाल किस कार्य में होता है?

a. खाना पकाने में। b. रौशनी के लिए।
c. a और b दोनों में । d. इनमें से कोई नहीं।।

26. किस पौधें की लताओं से रस्सी बनाई जा सकती है?

a. सेमूर b. सियादी
c. अपराजिता बेल। d. इनमें से कोई नहीं।।

27. दक्षिण पूर्व एशिया में 'झूम या घुमंतू' कृषि को किस नाम से जानते हैं?

a. लादिंग b. मिलपा
c. चितमेन d. तावी

28. श्रीलंका में घुमंतू कृषि को किस नाम से जानते हैं?

a. लादिंग b. मिलपा
c. चितमेन d. चेना

29. 1875 ई. से 1925 ई. के बीच ईनाम के लालच में लगभग कितने बाघ मारे गये?

a. 60000 b. 70000
c. 90000 d. 80000

30. जॉर्ज यूल नामक अंग्रेज अफसर ने अकेले लगभग कितने बाघों को मारा था?

a. 300 b. 400
c. 500 d. 600

31. बैगा, भारत के किस भाग की एक मुख्य जनजाति है?

a. उत्तर-भारत b. दक्षिण-भारत
c. पश्चिमी-भारत d. मध्य-भारत

32. लेटेक्स किस वृक्ष से निकलता है?

a. ताड़ b. नारियल
c. रबड़ d. इनमें से कोई नहीं। ।

33. मध्यकाल में कौन सा आदिवासी समुदाय व्यापार करता था?

a. मुण्डा b. संथाल
c. बैगा d. बंजारा

34. कोरावा, कराचा व येरुकुला जैसे चरवाहे और घुमंतू समुदाय किस क्षेत्र के थे?

a. मद्रास प्रेसीडेन्सी। b. बम्बई प्रेसीडेन्सी ।
c. कलकत्ता प्रेसीडेन्सी। d. इनमें से कोई नहीं।।

35. झारखण्ड के संथाल और उराँव व छतीसगढ़ के गोंड जैसे आदिवासियों को काम करने कहाँ भेजा गया था?

a. अरब देशों में।
b. दक्षिण अफ्रीका के खदानों में ।
c. असम के चाय बागानों में।
d. इनमें से कोई नहीं।।

36. एमेजॉन क्षेत्र के हितोतोस कहे जाने वाले स्थानीय इंडियनों की बेगार पर कौन सा व्यवसाय निर्भर था?

a. चाय-उद्योग b. चीनी-उद्योग
c. रबड़ की निकासी d. चमड़ा-उद्योग

37. 'अल्लूरी सीताराम राजू' किस क्षेत्र में विद्रोह किये थे?

a. छोटानागपुर b. संथाल परगना
c. आंध्र प्रदेश d. मध्य भारत

38. बस्तर क्षेत्र किस राज्य में स्थित है?

a. झारखण्ड b. आन्ध्र प्रदेश
c. महराष्ट्र d. छतीसगढ़

39. निम्नांकित में कौन-सा कथन सत्य है?

a. इन्द्रावती नदी बस्तर के पूर्वी छोर पर स्थित है ।
b. इन्द्रावती नदी बस्तर के पश्चिमी छोर पर स्थित है ।
c. इन्द्रावती नदी बस्तर के आर-पार पूरब से पश्चिम की ओर बहती है ।
b. इन्द्रावती नदी बस्तर के बस्तर के आपर-पार उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है ।

40 नेथानार गाँव के गुंडा धूर किस विद्रोह के प्रमुख नेता थे?

a. संथाल विद्रोह b. मुंडा विद्रोह
c. बस्तर विद्रोह d. इनमें से कोई नहीं।

41. बस्तर विद्रोह कब हुआ था?

a. 1910 ई. b. 1915 ई.
c. 1920 ई. d. 1925 ई.

42. 1970 ई. दशक में भारत के किस क्षेत्र में विश्व बैंक ने कागज़ उद्योग की लुगदी उपलब्ध कराने के लिये साल वनों की जगह देवदार के पेड़ लगाने की सलाह दी थी?

a. छोटानागपुर क्षेत्र। b. बस्तर क्षेत्र।
c. आंध्र प्रदेश का क्षेत्र। d. केरल का क्षेत्र।

43. इन्डोनिशिया किसका उपनिवेश था?

a. फ़्रांस b. इंग्लैण्ड
c. डच d. जर्मनी

44. आज के इंडोनेशिया के चावल उत्पादक द्वीप 'जावा' पहले क्या था?

a. मरुस्थल b. वनाच्छादित
c. जलमग्न d. मरूद्यान

45. जावा में कलांग समुदाय कौन थे?

a. घुमंतू किसान b. कुशल लकड़हारे
c. a और b दोनों । d. व्यापारी ।

46. जावा पर डचों के बाद किस देश का कब्ज़ा हो गया?

a. अमेरिका b. जापान
c. इंग्लैण्ड d. फ़्रांस

47. जावा में 'भस्म-कर-भागो नीति' किसने अपनाया?

a. अमेरिका b. जापान
c. इंग्लैण्ड d. डच

48. हिन्दुस्तान में अंग्रेजों के लिये रेल लाईनें क्यों अनिवार्य थी?

a. राजस्व वसूलने के लिए।
b. औपनिवेशिक आवागमन और व्यापार में सहायक थी।
c. सेना के आवागमन में सहायक थी ।
d. b और c दोनों ।

49. घर बनाने या ईन्धन के लिए लोग लकड़ियाँ कहाँ से ले जा सकते थे?

a. आरक्षित वनों से। b. सुरक्षित वनों से ।
c. ग्रामीण वनों से। d. b और c दोनों से।

50. विदेशों में निम्न में कौन-सा नाम झूम कृषि के लिए इस्तेमाल नहीं होता है?

a. लादिंग b. मिलपा
c. थारु d. चेना

51. भारत में कौन अंग्रेज अफसर बाघ के शिकार के लिए प्रसिद्ध था?

a. जार्ज यूल b. फ्रेडिक यूल
c. लॉर्ड मैकाले d. वारेन हेस्टिंग्स

52. निम्न में से किसे वन कानून के अंतर्गत नहीं लाया गया?

a. इसने झूम कृषि को प्रतिबंधित कर दिया ।
b. इसने शिकार और पशु चराने को प्रतिबंधित कर दिया।
c. इसने लोगों को जंगलों में अनेक घरों से विस्थापित कर दिया।
d. इसने गाँव में पशु-पालन पर रोक लगा दिया ।

53. निम्न में से किसे 'अपराधी कबीला' नहीं कहा जाता था?

a. संथाल b. कोरावा
c. करचा d. येरुकुला

54. कांटेदार छाल वाला वृक्ष कौन-सा है?

a. साल b. सेमूर
c. शीशम d. महुआ

55. स्लीपर कहाँ इस्तेमाल होता था?

a. रेल के डिब्बों में। b. रेल के इंजन में ।
c. रेल की पटरी के नीचे। d. उपर्युक्त सभी में ।

56. स्थानान्तरी कृषि का एक अन्य नाम क्या है?

a. झूम कृषि b. रोपण कृषि
c. गहन कृषि d. मिश्रित कृषि

57. देहरादून के इम्पीरियल फारेस्ट इंस्टिट्यूट में जिस वन्य प्रणाली का अध्ययन कराया जाता था?

a. मूलभूत वानिकी b. वैज्ञानिक वानिकी
c. बागान वानिकी d. आरक्षित वानिकी

58. कौन भारत में अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने वाले वन्य समुदायों का नायक नहीं था?

a. बिरसा मुण्डा b. सिद्धू
c. कान्हू d. जयपाल सिंह मुण्डा

59. तेंदू के पत्तों का प्रयोग किस काम में किया जाता है?

a. चमड़ा रंगने में । b. चॉकलेट बनाने में ।
c. बीड़ी बनाने में। d. सजावट करने में ।

60. चर्मशोधक (टैनिन) का क्या उपयोग है?

a. चॉकलेट बनाने में।
b. बीड़ी बनाने में।
c. सुगन्धित सामान बनाने में।
d. खाल से चमड़ा बनाने में ।

61. कृषि भूमि विस्तार का बुरा परिणाम क्या था?

a. खाद्यान्न में वृद्धि। b. आकाल में कमी ।
c. वनों का विनाश। d. इनमें से कोई नहीं।।

62. 19 वीं शताब्दी में इंग्लैण्ड में जलयान निर्माण की समस्या उत्पन्न होने का क्या कारण था?

a. कारीगरों की कमी। b. नियम में बदलाव ।
c. वनों की कमी । d. इनमें से कोई नहीं।।

63. घुमंतू खेती एक खेत पर कितनें वर्षों तक की जाती थी?

a. दो वर्ष b. चार वर्ष
c. पांच वर्ष d. छः वर्ष

64. चाय, कॉफ़ी, और रबड़ के बागानों का निर्माण अधिकतर कैसे हुआ?

a. घरों को उजाड़कर ।
b. वनों को काटकर ।
c. धान के खेतों को रूपान्तरित कर ।
d. इनमें से कोई नहीं।।

65. बेहतरीन बाड़े बनाने के लिए किस पौधे का इस्तेमाल किया जाता था?

a. साल b. सखुआ
c. बाँस d. सियादी

66. वन्य इलाकों में रहने वाले लोग जंगलों से क्या-क्या लेते थे?

a. कन्द-मूल फल। b. पत्ते ।
c. लकड़ियाँ और औषधि । d. उपर्युक्त सभी।

67. तेंदू पत्ता के एक बण्डल में कितने पत्ते होते थे?

a. 40 b. 50
c. 100 d. 150

68. जॉर्ज यूल किस जानवर के शिकार के लिए जाना जाता है ?

a. हाथी b. जंगली सूअर
c. बाघ d. हिरण

69. नगार्रिन्दजेरी, किस देश की आदिवासी समुदाय है?

a. इंग्लैण्ड b. ऑस्ट्रेलिया
c. फ्रांस d. भारत

70. आदिवासी समुदाय में ईन्धन की लकड़ी इकठ्ठा करने की जिम्मेवारी सामान्यतः किसके पास होती है?

a. औरतों b. पुरुषों
c. बच्चों d. सभी मिलकर ।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1	a	19	b	37	c	55	c
2	b	20	a	38	d	56	a
3	c	21	c	39	c	57	c
4	a	22	d	40	c	58	d
5	c	23	b	41	a	59	c
6	b	24	a	42	b	60	d
7	d	25	c	43	c	61	c
8	c	26	b	44	b	62	c
9	d	27	a	45	c	63	a
10	a	28	d	46	b	64	b
11	a	29	d	47	d	65	c
12	b	30	b	48	d	66	d
13	c	31	d	49	d	67	b
14	c	32	c	50	c	68	c
15	a	33	d	51	a	69	b
16	d	34	a	52	d	70	a
17	b	35	c	53	a		
18	c	36	c	54	b		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत में कितने प्रतिशत भू-भाग पर खेती की जाती है?

उत्तर- भारत के लगभग 51% भू-भाग पर खेती की जाती है ।

2. रेलवे के विस्तार के लिये वनों को बड़े पैमाने पर क्यों काटा गया?

उत्तर- रेल की पटरी लकड़ी की तख्ती पर बिछाई जाती थी जिसे स्लीपर कहा जाता था। इन स्लीपरों के निर्माण में बड़े पैमाने पर वनों को काटा गया।

3. उन्नीसवीं शताब्दी की शुरूआत तक किस देश में बलूत (ओक) के जंगल लुप्त होने लगे थे?

उत्तर- उन्नीसवीं शताब्दी की शुरुआत तक इंगलैण्ड में बलूत (ओक) के जंगल लुप्त होने लगे थे।

4. पोपलर के व्यवस्थित जंगल किस देश में है?

उत्तर- इटली देश के टस्कनी में पोपलर के व्यवस्थित जंगल है।

5. ब्रिटिश साम्राज्य में खुला पहला वानिकी स्कूल कौन था?

उत्तर- 'दि इम्पीरियल फॉरेस्ट स्कूल देहरादून' ब्रिटिश साम्राज्य में खुला पहला वानिकी स्कूल था ।

6. सरकार ने घुमंतू कृषि पर रोक क्यों लगाई?

उत्तर- घुमंतू कृषि में जंगल में आग लगाते समय बेशकीमती पेड़ों के जलने का खतरा था, साथ ही घुमंतू कृषक से नियमित लगान लेना भी मुश्किल था। इसलिए सरकार ने घुमंतू कृषि पर रोक लगा दी ।

7. औपनिवेशिक सरकार बड़े जानवरों का शिकार क्यों करती थी?

उत्तर:- अंग्रेजों की नजर में बड़े जंगली जानवर, बर्बर और आदि-समाज के प्रतीक चिह्न थे । उनका मानना था कि खतरनाक जानवरों को मार कर वे हिन्दुस्तान को सभ्य बनाएँगे।

8. मध्यकाल में बंजारा आदिवासी समुदाय द्वारा किन-किन चीजों का व्यापार किया जाता था?

उत्तर- बंजारा समुदाय मध्यकाल में हाथी-दांत, जानवरों के खाल, सींग, रेशम के कोये, बांस, मसाले, रेशे, गोंद, राल आदि चीजों का व्यापार करते थे ।

9. ब्रिटिश और पेरू की साझे वाली पेरुवियन रबड़ कंपनी किस क्षेत्र में रबड़ की निकासी का कार्य करती थी?

उत्तर- 'पेरुवियन रबड़ कंपनी' एमेजॉन के पुटुमायो क्षेत्र में रबड़ निकालने का कार्य करती थी।

10. असम के चाय बागानों में काम करने के लिये किनकी भर्ती की गई?

उत्तर- असम के चाय बागानों में काम करने के लिये झारखंड के संथाल और उराँव व छत्तीसगढ़ के गोंड जैसे आदिवासी मर्द और औरतों दोनों की भर्ती की गई।

11. वन-ग्राम किसे कहा गया?

उत्तर- कुछ गाँवों को आरक्षित वनों में इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे वन-विभाग के लिये पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त में करेंगे और जंगल को आग से बचाए रखेंगे। बाद में इन्हीं गांवों को वन ग्राम कहा गया।

12. सुरोन्तिको सामिन कौन था?

उत्तर- इंडोनेशिया का सागौन जंगल में रहने वाला एक व्यक्ति जिसने जंगलों पर राजकीय मालिकाने पर सवाल खड़ा किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. युद्धों से जंगल कैसे प्रभावित होते हैं?

उत्तर- जब विश्व युद्ध हुए तो ब्रिटेन की युद्धकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गये। इससे जंगलों को नुकसान हुआ। जब जावा पर जापान का कब्जा हुआ तो भागते हुए डच लोगों ने बड़े पैमाने पर आरा मिलों और लकड़ी के लट्ठों में आग लगा दी। यदि जापानियों को वे लकड़ियाँ मिल जातीं तो शायद वे कम पेड़ काटते। इसके अलावा, कुछ पेड़ बमबारी में भी तबाह हुए होंगे। इन उदाहरणों से पता चलता है कि युद्ध से वनों को बहुत नुकसान होता है ।

2. बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में क्या समानताएँ हैं?

उत्तर- बस्तर और जावा, इन दोनों स्थानों पर कई ऐसे समुदाय थे जो

परंपरागत रूप से अपनी आजीविका के लिए वनों पर आश्रित थे। दोनों ही जगहों पर इन लोगों को वनों से दूर रखने की कोशिश की गई। फिर औपनिवेशिक शासकों की जरूरतें पूरी करने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई। दोनों जगह पर स्थानीय लोगों ने नये वन कानूनों का विरोध किया।

3. औपनिवेशिक काल में वन विनाश के कारणों का वर्णन करो?

उत्तर- औपनिवेशिक काल में वन विनाश के निम्नलिखित कारण थे:-

(i) बढ़ती जनसंख्या।

(ii) रेल विस्तार के लिए स्लीपरों की आवश्यकता।

(iii) अंग्रेजों के द्वारा चाय, रबड़, कॉफ़ी के बागानों का निर्माण करवाना।

(iv) रेल मार्ग के विस्तार के लिए वनों कि कटाई।

(v) इंग्लैण्ड में ओक के पेड़ों का लुप्त होना।

(vi) व्यावसायिक फसलों के पैदावार बढ़ाने के लिए या कृषि के विस्तार के लिए वनों की कटाई।

4. वन्य समाज का सामाजिक जीवन कैसा था ?

उत्तर- आदिवासी सीधे-साधे सरल प्रकृति के थे। आमतौर पर वे स्वयं को शेष समाज से अलग रखते थे, उनका मुख्य शौक और मनोरंजन का साधन हिरण, तीतर और अन्य छोटे पशु पक्षियों का शिकार करना था। इनकी सामाजिक जीवन इतना सादा था कि ये स्वच्छन्दता पूर्वक जीवन बिताते थे। नाच और गाना इनका महत्वपूर्ण शौक था। आदिवासी समाज की महिलाएँ जीवीकोपार्जन में पुरुषों का हाथ बँटाती थीं।

5. औपनिवेशिक काल में खेती में तेजी से फैलाव क्यों आया ?

उत्तर- औपनिवेशिक काल में खेती में तेजी से फैलाव आया क्योंकि -

(1) अंग्रेजों द्वारा व्यावसायिक फसलों के उत्पादन को जमकर प्रोत्साहित करना ।

(2) उन्नीसवीं सदी में यूरोप में बढती शहरी आबादी का पेट भरने के लिए खाद्यान्न और औद्धोगिक उत्पादन के लिए कच्चे माल कि जरूरत थी ।

(3) उन्नीसवीं सदी के आरंभ में जंगलों को औपनिवेशिक सरकार ने अनुत्पादक समझा ।

6. बस्तर की जनता ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह क्यों किया?

उत्तर- ब्रिटिश सरकार ने जंगलों को आरक्षित करने की कोशिश की, जिससे लोगों को वन उप्पाद इकट्ठा करने और स्थानांतरित खेती करने के उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया। इसके अलावा, लोग भूमि लगान में वृद्धि और औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा मुफ्त श्रम और सामान की लगातार मांग से पीड़ित थे। बस्तर के लोग वनोत्पाद का संग्रहण नहीं कर सकते थे। 1839 ई. -1900ई. और 1907 ई. -1908 ई. के भयानक अकालों ने उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह करने के लिए मजबूर किया।

7. वैज्ञानिक वानिकी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- वैज्ञानिक तकनीकों के प्रयोग के द्वारा जंगलों के संसाधनों का प्रबंधन और संरक्षण करने को वैज्ञानिक वानिकी कहते हैं। संसाधन में पेड़ के अलाबे जल, जानवर, मिट्टी एवं चट्टान भी आते हैं। इस तकनीक में प्राकृतिक पेड़ों को काटकर उनके स्थान पर एक ही प्रकार के वृक्ष सीधी कतारों में लगाए जाते हैं। इस तकनीक की सुरूआत सर डिएट्रिक बांडिस ने की थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. औपनिवेशिक काल के वन प्रबंधन में आए परिवर्तनों ने इन समूहों को कैसे प्रभावित किया :-

(i) झूम खेती करने वालों को

(ii) घुमंतू और चरवाहा समुदायों को

(iii) लकड़ी और वन-उत्पादों का व्यापार करने वाली कंपनियों को

(iv) बागान मालिकों को

(v) शिकार खेलने वाले राजाओं और अंग्रेजी अफसरों को

उत्तर- (i) झूम खेती करने वालों को:- वन प्रबंधन की नीति में बदलाव का झूम खेती करने वालों पर व्यापक प्रभाव पड़ा। खेती की इस पद्धति को प्रतिबंधित किए जाने के कारण उन्हें दूसरा व्यवसाय अपनाना पड़ा।

(ii) **घुमंतू और चरवाहा समुदायों को:-** वन अधिनियम के चलते देश भर के गाँव वालों की मुश्किलें बढ़ गईं। इस कानून के बाद घर के लिए लकड़ी काटना, पशुओ को चराना, कंद-मूल-फल इकट्ठा करना आदि रोजमर्रा की गतिविधियाँ गैरकानूनी बन गईं।

अब उनके पास जंगलों से लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। पकड़े जाने की स्थिति में वे वन-रक्षकों की दया पर होते जो उनसे घूस ऐंठते थे।

जलावनी लकड़ी एकत्र करने वाली औरतें विशेष तौर से परेशान रहने लगीं।

स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पर बंदिशें लगा दी गईं। इस प्रक्रिया में मद्रास प्रेसीडेंसी के कोरावा कराचा व येरुकुला जैसे अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय जीविका से हाथ धो बैठे।

(iii) **लकड़ी और वन-उत्पादों का व्यापार करने वाली कंपनियों को:-** वन प्रबंधन की नीति के तहत इन कंपनियों को लकड़ी और वन उत्पादों का व्यापार करने का एकाधिकार दे दिया गया। इस समूह के लोगों को इस नीति का सर्वाधिकार लाभ पहुंचा, फलत: उन्होंने अपने और सरकार के लिए विशाल मात्रा में वनों के दोहन तथा आदिवासियों के शोषण द्वारा धन जुटाया।

(iv) **बागान मालिकों को:-** बागान मालिकों को अपने व्यवसाय से बहुत अधिक लाभ हुआ। अब नये कानून के उपरांत चाय कॉफी रबड़ आदि के नए-नए बागान विकसित किए गए इन बागानों में जीवन यापन से हीन आदिवासियों से मुफ्त काम करवाया जाता था क्योंकि इन उत्पादों का निर्यात होता था। अत: सरकार और फर्म दोनों को बहुत अधिक लाभ हुआ।

(v) **शिकार खेलने वाले राजाओं और अंग्रेजी अफसरों को:-** हालांकि जंगलों में शिकार करना प्रतिबंधित कर दिया गया था परंतु इसमें भेदभाव बरता गया। राजा महाराजा

तथा अंग्रेज अफसर इन नियमों के बावजूद शिकार करते थे, उसके साथ सरकार की मौन सहमति थी क्योंकि बड़े जंगली जानवरों को वे असभ्य एवं बर्बर समुदाय का सूचक मानते थे । अतः भारत को सभ्य बनाने के नाम पर इन जानवरों का शिकार चलता रहा।

2. सन् 1880 ई. से 1920 ई. के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के वनाच्छादित क्षेत्र में 97 लाख हेक्टेयर की गिरावट आयी। पहले के 10.86 करोड़ हेक्टेयर से घटकर यह क्षेत्र 9.89 करोड़ हेक्टेयर रह गया था। इस गिरावट में निम्नलिखित कारकों की भूमिका बताएँ:-

(1) रेलवे ।

(2) जहाज निर्माण ।

(3) कृषि-विस्तार ।

(4) व्यावसायिक खेती ।

(5) चाय-कॉफी के बागान ।

(6) आदिवासी और किसान ।

उत्तर- वनों के आधीन क्षेत्र के कम होने में उपरोक्त कारकों की निम्न भूमिका रही ।

(1) रेलवे :-

(i) रेल लाइनों के प्रसार के साथ-साथ बड़ी तादाद में पेड़ भी काटे गए। अकेले मद्रास प्रेसीडेंसी में 1850 ई. के दशक में प्रतिवर्ष 35,000 पेड़ स्लीपरों के लिए काटे गए।

(ii) सरकार ने आवश्यक मात्रा की आपूर्ति के लिए निजी ठेके दिए। इन ठेकेदारों ने बिना सोचे-समझे पेड़ काटना शुरू कर दिया। रेल लाइनों के इर्द-गिर्द जंगल तेजी से गायब होने लगे।

(iii) 1850 ई. के दशक में रेल लाइनों के प्रसार ने लकडी के लिए एक नई तरह की माँग पैदा कर दी। शाही सेना के आवागमन और औपनिवेशिक व्यापार के लिए रेल लाइनें अनिवार्य थीं।

(iv) इंजनों को चलाने के लिए ईंधन के तौर पर तथा रेल की पटरियों को जोड़े रखने के लिए स्लीपरों के रूप में लकड़ी की भारी जरूरत थी ।

(2) जहाज निर्माण :-

(i) औपनिवेशिक शासकों को अपनी नौ सेना की शक्ति बढ़ाने के लिए और व्यापारिक जहाजों के निर्माण के लिए भारी मात्रा में इमारती लकड़ियों की आवश्यकता थी।

(ii) वन-विभाग को ऐसे पेड़ों की जरूरत थी जो जहाजों और रेलवे के लिए इमारती लकड़ी मुहैया करा सकें, ऐसी लकड़ियाँ जो सख्त, लंबी और सीधी हों। इसलिए सागौन और साल जैसी प्रजातियों को प्रोत्साहित किया गया और दूसरी किस्में काट डाली गईं।

(3) कृषि विस्तार :-

(i) आबादी बढ़ने से खाद्य पदार्थों की माँग में वृद्धि से वनों को काटकर कृषि कार्य किया जाने लगा ।

(ii) औपनिवेशिक काल में खेती में बेहताशा वृद्धि हुई कृषि उत्पादों का भारत और समस्त यूरोप में माँग बढ़ने लगी और इस प्रकार कृषि विस्तार के लिए जंगलों की अंधाधुंध कटाई शुरू हो गई।

(4) व्यावसायिक खेती:-

(i) व्यावसायिक खेती का अर्थ नकदी फसल उगाने से है। इन फसलों में गन्ना, गेंहूँ, जूट (पटसन) तथा कपास आदि की फसलें शामिल हैं।

(ii) 19 वीं शताब्दी में व्यावसायिक फसलों की माँग बढ़ गई । इसके लिए वनों की कटाई कर कृषि योग्य भूमि प्राप्त की गई । अब जंगलों को काट कर नकदी फसलें उगाई जाने लगी ।

(5) चाय-कॉफ़ी के बागान :

(i) यूरोप में चाय और कॉफ़ी की माँग बढ़ने से औपनिवेशिक सरकार ने वनों के आधीन बड़े भूभाग को काट कर बागान मालिकों को सस्ते दामों पर बेच दिया गया।

(6) आदिवासी और किसान :

आदिवासी और किसान झोपड़ियाँ आदि बनाने के लिए वनों से लकड़ियाँ और पेड़ों को काटते थे । वनों के आस-पास रहने वाले किसान और आदि वासी पूरी तरह वन उत्पादों पर ही निर्भर रहते थे। वे भी अपनी आवश्यकताओं के लिए वनों की कटाई करते थे।

3. अठारहवीं शताब्दी में भारत में जनजातियों के जीवन पर प्रकाश डालें?

उत्तर- अठारहवीं शताब्दी के पहले तक ये जनजातियाँ वन सम्पदा का प्रयोग अपने जीविकोपार्जन के लिए करती थीं। इनका जीवन बहुत ही सीधा-सादा होता था। सामाजिक जीवन में ये लोग अहस्तक्षेप की नीति अपनाते थे। अठारहवीं शताब्दी के अन्त तक ये विदेशियों के उपनिवेशवाद के शिकार बन गये। अंग्रेजों ने उनके सामाजिक जीवन में हस्तक्षेप किया। कबीलों में बँटे वन्य समाज के सरदारों को जमींदार का दर्जा दे दिया। वन्य समाज के अन्दर ईसाई मिशनरियों के घुसपैठ को बढ़ावा दिया गया, जिससे उनकी सामाजिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गयी। जंगल से उनके गहरे रिश्ते को भी तोड़ दिया गया। छोटे शिकार पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया। वन्य समाज में ईसाई मिशनरियों के घुसपैठ के कारण बहुत बड़ी संख्या में आदिवासियों ने ईसाई धर्म को अपना लिया। शिक्षा पाने के कारण वे अपने अन्य भाइयों से घृणा करने लगे। आदिवासी इसे अपने सामाजिक एवं धार्मिक जीवन में अंग्रेजों द्वारा किए गए अतिक्रमण समझकर इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

वन्य समाज के आर्थिक जीवन का आधार कृषि था। वे स्थान बदल-बदलकर 'झूम' खेती करते थे । कृषि की इस व्यवस्था से अंग्रेजों को लगान निश्चित करने और उनकी वसूली करने में कठिनाई होती थी । अतः अंग्रेजी सरकार ने इस व्यवस्था पर प्रतिबंध लगा दी। अनेक समुदायों को अपना स्थान परिवर्तन करना पड़ा। आदिवासियों में खेती के अतिरिक्त अन्य उद्योग-धंधों का भी प्रचलन था। वे हाथी दाँत, बाँस, मसाले, रेशे, रबर आदि का व्यापार भी करते थे। अंग्रेजों ने उनके इस व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया। अंग्रेजों ने रेल की पटरी एवं रेल के डब्बे की सीट बनाने के लिए जंगलों की कटाई शुरू कर दी। आदिवासियों के लिए पेड़ों

की कटाई पर रोक लगा दिया गया एवं जंगल को लकड़ी उत्पादन के लिए सुरक्षित किया गया, जिससे आदिवासी जीवन पर कुठारा-घात हुआ। अंग्रेजी सरकार ने यहाँ के जमीन से अब राजस्व प्राप्त करने के लिए जमींदारी व्यवस्था लागू की।

अठारहवीं शताब्दी में वन्य समाज कबीलों में बँटा था। प्रत्येक जनजाति मुखिया के तहत संगठित था । मुखिया का कर्तव्य कबीला को सुरक्षा प्रदान करना था। धीरे-धीरे ये मुखिया कबीलों पर अपना अधिकार जमाना शुरू कर दिए। उन्होंने अपने लिए बहुत से विशेषाधिकार प्राप्त कर लिए।